		AEEC 5 (UGC NET-JRF) Buddhist Studies, Jainism, Gandhian and Peace Studies (Paper II, Code-60) के अनुरूप पाठ्यक्रम निर्मित	**बौद्धधर्म का इतिहास एवं मूल सिद्धान्त** 1. **भगवान् बुद्ध का जीवन चरित्र तथा बौद्धधर्म का उद्भव** - जन्म से महापरिनिर्वाण तक एवं तत्पश्चात् की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ। 2. **बौद्ध संगीतियाँ** - प्रथम से चतुर्थ संगीति तक का विवरण तथा बौद्धधर्म के प्रसार में महान् सम्राट अशोक एवं कनिष्क का योगदान। 3. **बौद्ध निकाय** - थेरवाद तथा चार प्रमुख दार्शनिक निकाय (वैभाषिक, सौत्रान्तिक, विज्ञानवाद और माध्यमिक)। 4. **पालि एवं संस्कृत बौद्धागम साहित्य** - पालि त्रिपिटक तथा संस्कृत वैपुल्य सूत्र। 5. **प्रमुख बौद्ध आचार्यों का जीवन व कृतित्व** - बुद्धघोष, अश्वघोष, नागार्जुन, असंग, वसुबन्धु, दिङ्नाग, धर्मकीर्ति, शान्तिदेव और शान्तरक्षित। 6. **बुद्ध की त्रिविध शिक्षा** - शील, समाधि और प्रज्ञा। 7. **बौद्ध समाधि** - शमथ और विपश्यना। 8. **बुद्ध के समकालीन षड्दर्शन** - छः तीर्थंकरों एवं उनके दर्शनों का परिचय।	1	1	16-20

			बौद्ध दार्शनिक सिद्धान्त एवं शिक्षा केन्द्र **अ. दार्शनिक अवधारणाएँ:** 1. **त्रिलक्षण** - अनित्य, दुःख, अनात्मा एवं प्रमाण संख्या विप्रतिपत्ति। 2. **आर्य सत्य** - चतुरार्य सत्य का विस्तृत विवेचन। 3. **प्रतीत्यसमुत्पाद** - सापेक्ष उत्पत्ति का सिद्धान्त। 4. **चित्त सन्तति और आलय विज्ञान** - चेतना की निरन्तरता एवं मूल चेतना। 5. **शून्यता एवं निर्वाण** - परम तत्त्व की अवधारणा। **आ. प्राचीन बौद्ध शिक्षण संस्थान:** नालन्दा, वल्लभी, विक्रमशिला, उदन्तपुरी, सोमपुरी और जगद्दल विश्वविद्यालय। **इ. बौद्ध कला एवं स्थापत्य:** बौद्ध मूर्तिकला तथा स्थापत्य कला - नालन्दा, बोधगया, अजन्ता गुफाएँ, साँची स्तूप, सारनाथ। **ई. बौद्ध तीर्थ स्थल:** लुम्बिनी, बोधगया, सारनाथ, कुशीनगर। **उ. आधुनिक बौद्धधर्म:** बौद्धधर्म का पुनरुत्थान और अनगारिक धर्मपाल, कृपाशरण महाथेर, चन्द्रमणि महाथेर तथा भिक्षु जगदीश काश्यप का योगदान। **ऊ. सामाजिक प्रभाव:** सामाजिक व आर्थिक जीवन पर बौद्धधर्म का प्रभाव।	1	1	16-20

			जैनधर्म का इतिहास एवं सिद्धान्त 1. **जैनधर्म का इतिहास - कालचक्र एवं तीर्थंकर परम्परा:** भगवान् ऋषभदेव, पार्श्वनाथ एवं महावीर का जीवन चरित्र। 2. **जैन सम्प्रदाय एवं भेद** - दिगम्बर एवं श्वेताम्बर तथा उनके उप-सम्प्रदाय। 3. **रत्नत्रय** - सम्यग्दर्शन, सम्यग्ज्ञान एवं सम्यक्चरित्र। 4. **प्राकृत आगम साहित्य** - प्रमुख आगम ग्रन्थ एवं वाचनाएँ। 5. **प्रमुख जैन आचार्य एवं उनका साहित्य**: i. आचार्य कुन्दकुन्द। ii. आचार्य उमास्वामी। iii. आचार्य सिद्धसेन दिवाकर। iv. आचार्य अकलंकदेव। v. आचार्य हरिभद्र सूरि। vi. आचार्य वीरसेन स्वामी। vii. आचार्य जिनसेन। viii. आचार्य हेमचन्द्राचार्य। ix. आचार्य यशोविजयजी। 6. व्रत व्यवस्था: i. **श्रावकों के व्रत** - अणुव्रत, गुणव्रत एवं शिक्षाव्रत। **श्रमणों के महाव्रत** - अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह।	1	1	16-20

			जैन दर्शन एवं कला 1. **अनेकान्तवाद एवं स्याद्वाद** - जैन दर्शन के मूल सिद्धान्त। 2. **जैनधर्म में मोक्ष की अवधारणा** - मुक्ति का स्वरूप एवं साधन। 3. **जैन शिल्प एवं स्थापत्य कला: -** i. दक्षिण भारत की जैन गुफाएँ एवं मन्दिर। ii. खजुराहो के जैन मन्दिर। iii. देवगढ़, पालिताना एवं माउण्ट आबू के प्रमुख जैन मन्दिर। 4. **जैन मूर्तिकला, चित्रकला एवं प्रतिमाविज्ञान:** i. भारत में प्राप्त प्रमुख जैन मूर्तियाँ। ii. श्रवणबेलगोला एवं मथुरा से प्राप्त प्रतिमाएँ। **5. जैनधर्म का सामाजिक प्रभाव:** i. शाकाहार एवं दानव्रत। ii. जैनधर्म में नारी का स्थान। 6. **जैन शिक्षा के प्रमुख केन्द्र**: श्रवणबेलगोला, जैसलमेर, अहमदाबाद, वाराणसी, वैशाली, कोबा, लाडनूं, जयपुर, दिल्ली।	1	1	16-20

(प्रो. गुरुचरण सिंह नेगी)
अध्यक्ष, बौद्धदर्शन विद्याशाखा